पाठ–12

स्वाधीनता पर

–सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

पाठ की संरचना

12.1 आइए शुरू करें
12.2 उद्देश्य
12.3 मूल पाठ
12.4 आइए समझें
12.5 भाषा-शैली

12.1 आइए शुरू करें

प्रकृति के पेड़-पौधे एवं जीव-जन्तु स्वतंत्र हैं। इनकी स्वतंत्रता ही मानव को आकर्षित करती है। मनुष्य भी प्रकृति की तरह आजाद रहना चाहता है। मनुष्य के लिए आजादी ही उसके सुखद जीवन का आधार है। प्रकृति की एक-एक हलचल अपने आप होती है, जैसे-फूलों का खिलना, वर्षा का होना, पक्षियों का कलरव आदि। प्रकृति की आजादी को देख मनुष्य भी उसकी तरह आजाद होना चाहता है। परंतु मनुष्य के लाख प्रयासों के बावजूद मनुष्य केवल अपने मन की नहीं कर पाता है। प्रस्तुत कविता 'स्वाधीनता पर' के माध्यम से सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' मानव को प्रकृति की तरह आजाद देखना चाहते हैं। मानव को ऐसी आजादी निर्भय होकर ही मिल सकती है। जिस प्रकार भूकम्प, ओला वृष्टि आदि को कोई नहीं रोक सकता ठीक उसी प्रकार जब मनुष्य जागृत होकर अपने कल्याण के लिए आगे आएगा तो उसे भला कौन रोक पायेगा!

12.2 उद्देश्य

पाठ पढ़ने के बाद आप

- कविता का अर्थ स्पष्ट कर सकेंगे।

- स्वाधीनता और पराधीनता के अंतर को स्पष्ट करने के लिए कवि ने जो बातें कही हैं, उन्हें जान पाएगे।
- कविता का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कर सकेंगे ।
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की भाषा शैली की प्रमुख विशेषताएँ बता सकेंगे।

12.3 मूल पाठ

भ्रमर का गुंजार
वह भी स्वाधीन,
पक्षियों का कलरव,
वह भी स्वाधीन
उदय-अस्त दिनकर का,
तिमिर-हर के अन्तर से
तिमिर का उद्‌गम
और तम के हृदय से
निशानाथ का प्रकाश,
सब हैं स्वाधीन,.....
मेरे साथ मेरे विचार-
मेरे जाति-
मेरे पददलित-
मौन हैं-निद्रित हैं-
स्वप्न में भी पराधीन!
कितनी बड़ी दुर्बलता!
आता जब भूमिकम्प,
कौन रोक सकता है उसकी गति?
गरज उठते जब मेघ,
कौन रोक सकता है विपुल नाद?
उपल-दल

नष्ट जब करते हैं श्याम शस्य,
कौन-सी व्यवस्था वह
रोक सकती है उन्हें?
समझा मैं,
भय ही व्यवस्था का जनक है,
निर्भय अपने को
और दुर्बल समाज को
कर के दिखाना है-
'स्वाधीन' का ही
एक और अर्थ 'निर्भय' है।

बोध प्रश्न

आपने पाठ पढ़ा। अब आइए , कुछ प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. कविता के अनुसार कवि ने किन्हें स्वाधीन बताया है?
   (क) पक्षियों को
   (ख) मनुष्य को
   (ग) जानवरों को
   (घ) भारत को
2. कवि के अनुसार 'स्वाधीन' का एक अर्थ और क्या हो सकता है?
   (क) सबल
   (ख) दुर्बल
   (ग) निर्भय
   (घ) इनमें से कोई नहीं
3. कविता में किसके विषय में कहा गया है कि इन्हें कोई नहीं रोक सकता ?

क्रियाकलाप

प्रकृति की कौन-कौन सी घटनाएँ आपको स्वतंत्र लगती हैं। इस पर दस वाक्य लिखें।